प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, गाजीपुर और बलिया से गुजरेगा एक्सप्रेसवे, कुंभ तक पूरा होगा पहला चरण

गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से बिहार तक जाएगा

अच्छी खबर

■ अजित खरे

लखनऊ। मेरठ से प्रयागराज तक बन रहा गंगा एक्सप्रेसव अब आगे बिहार सीमा तक जाएगा। इसके लिए इसके निर्माण का दूसरा चरण का काम प्रयागराज से बलिया तक होगा। छह लेन का प्रवेश नियंत्रित यह एक्सप्रेस करीब 350 किमी का होगा। इस तरह जब गंगा एक्सप्रेसवे के दो चरण पूरे होंगे तो बिहार से आने वाले इसके जरिए सीधे मेरठ, नोएडा व दिल्ली पहुंच सकते हैं। इससे माल की आवाजाही भी तेजी होगी।

एक्सप्रेसवे के दूसरे चरण की योजना बनाई जा रही है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इसका सर्वे का काम शुरू कर दिया है। इसके पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसके एलाइमेंट सर्वे के लिए एजेंसी का चयन होगा। यह एक्सप्रेसवे प्रयागराज में जहां से खत्म होगा, वहां से इसे दूसरा चरण शुरू होगा। यह मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी, गाजीपुर और बलिया तक जाएगा। बलिया से ही बिहार की सीमा शुरू होती है। खास बात यह कि गाजीपुर में ही गंगा एक्सप्रेसवे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे जुड़ेगा। इस तरह पूर्वी यूपी व बिहार से आने वाले गंगा एक्सप्रेसवे के जरिए सीधे एनसीआर पहुंच सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे इस साल दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। ताकि इसे कुंभ मेले के मद्देनजर इसे जनता के लिए चालू किया जा सके। माना जा रहा है कि इसका मुख्य कैरिजवे समय रहते तैयार हो जाएगा। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने भी कहा है कि इस एक्सप्रेस का दूसरा चरण जल्द शुरू होगा। उन्होंने हाल में गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण कार्यों की स्थलीय निरीक्षण कर यह निर्देश दिए साथ ही दूसरे चरण शुरू करने के भी संकेत दिए।

350

किलोमीटर होगी एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई, दो चरणों में पूरा होगा काम

यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा

गंगा एक्सप्रेसवे वर्तमान में 594 किमी का बन रहा है। इसका दूसरा हिस्सा 350 किमी को होगा तो यह पूरा एक्सप्रेसवे 950 किमी से ज्यादा का होगा। यह पूरे देश में सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। देश के एक्सप्रेसवे का 55 प्रतिशत हिस्सा भी यूपी में होगा।

महाकुंभ में अरैल व झूंसी में बसाई जाएगी टेंट सिटी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। महाकुंभ-2025 की तैयारियां इन दिनों प्रयागराज में जोर-शोर से चल रही है। चार महीने बाद देश-दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु संगमनगरी पहुंचेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) सुविधाएं विकसित करने में जुटा है।

संगम तट पर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित टेंट सिटी बसायी जाएगी।यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ओर से परेड मैदान में पारंपिक टेंट सिटी बसायी जाएगी। टेंट सिटी तीन अलग-अलग श्रेणियों में बसायी जाएगी। विभाग की ओर से विला, महाराजा और स्विस कॉटेज में लोगों के रहने-खाने की रूपरेखा तैयार की गई है। इसके अलावा, अरैल व झूंसी में पीपीपी मोड पर टेंट सिटी बसायी जाएगी।

अध्यात्म के साथ मिलेगा रोमांचक अनुभव

टेंट सिटी में आध्यात्मिक माहौल के साथ, योग, यज्ञ, प्रवचन, भजन संध्या, प्राकृतिक चिकित्सा, रिवर व्यू, सांस्कृतिक गतिविधियां, साइकिलिंग के साथ-साथ सोशल कैम्पिंग और स्थानीय स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की जा रही है। यूपीएसटीडीसी ने आगंतुकों को अध्यात्म के साथ रोमांच का अनुभव मिले, इसके लिए वाटर स्पोर्ट्स, पैरासेलिंग या पैरामोटरिंग का प्रबंध किया गया है।